𑂍𑂶𑂟𑂲 𑂍𑂷𑂩𑂹𑂮 𑂥𑂳𑂍

• कैथी कोर्स बुक •

Vijoy Shankar Mallik

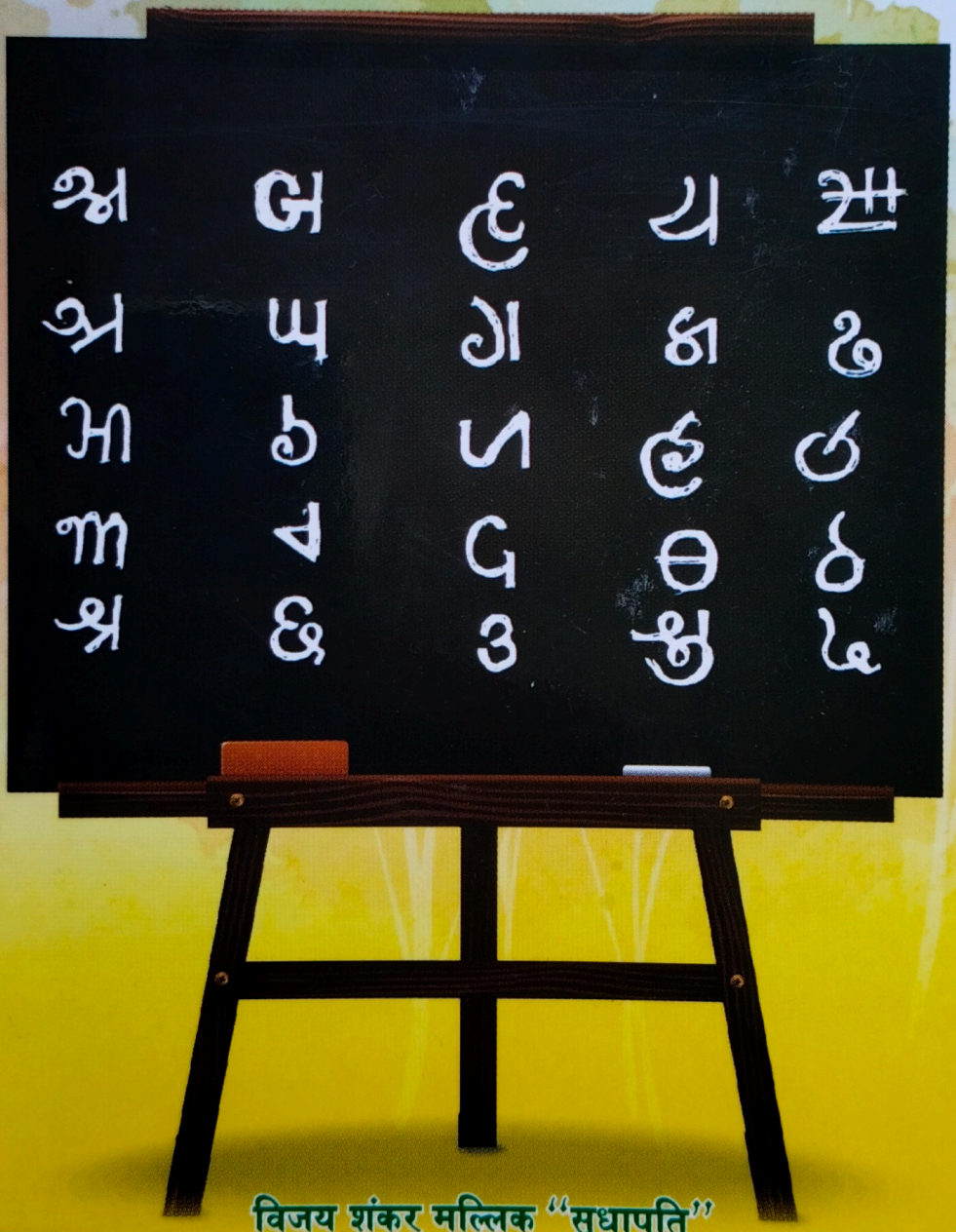

विजय शंकर मल्लिक "सुधापति"

कैथी कोर्स बुक

(कैथी लिपि सीखने की उत्तम पुस्तक
पूरे उत्तर भारत के लिए उपयोगी)

विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति'

Aditya
Publication

कैथी कोर्स बुक

(कैथी लिपि सीखने की उत्तम पुस्तक)

ISBN : 978-93-95693-13-4

सर्वाधिकार- विजय शंकर मल्लिक 'सुधापति'

मो.-9939340984
E-mail : vijoyshankarmallik@gmail.com
Website : sudhapati.com

प्रथम संस्करण : 2023

मूल्य : रु. 200/-

ले-आउट- फकीर मुहम्मद
कवर डिजाइन- अलंकृता तन्नू

प्रकाशक एवं मुद्रक
आदित्य पब्लिकेशन
तारामंडल के सामने, हथुआ पाठशाला, पटना-1
मो. 9576099416/9709663354
Email-rakeshprints224@gmail.com

मिथिला क्षेत्रीय कैथी वर्णमाला

Vijoy Shankar Mallik

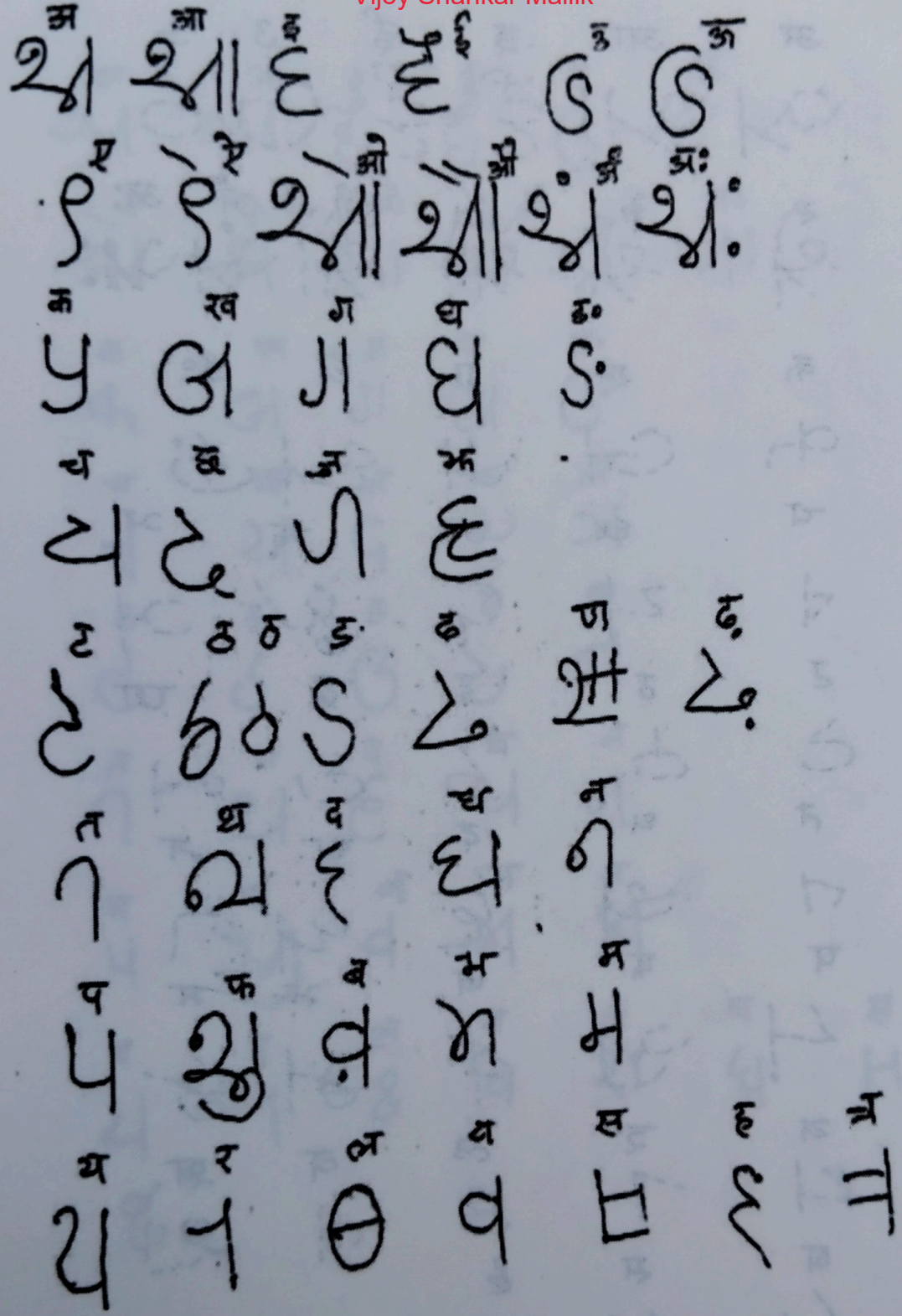

सर्वसाधारण हेतु सामान्य कैथी लिपि का स्वरूप
(General)

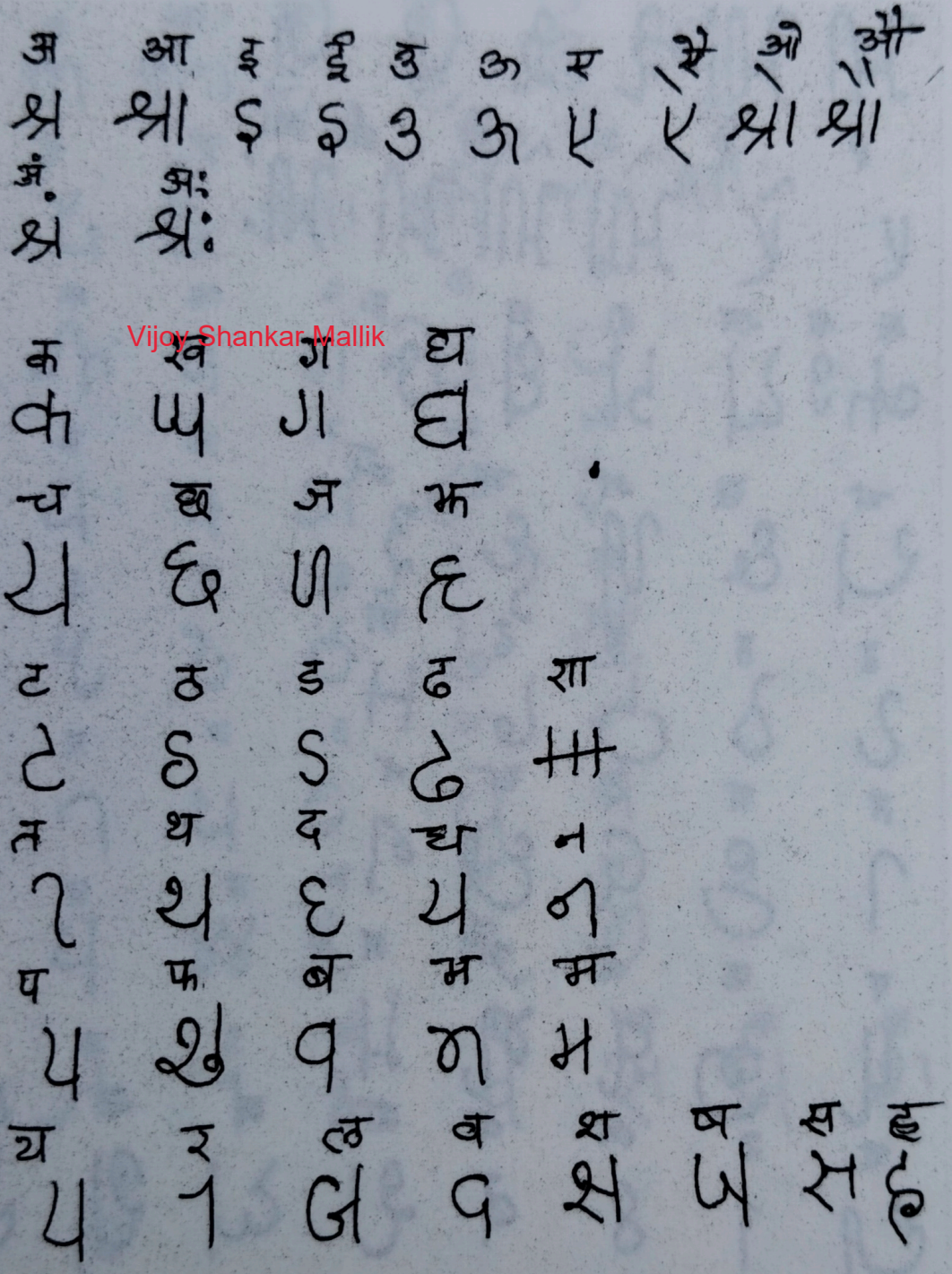

Vijay Shankar Mallik

अक्षरानुसार बायें अथवा उपर से लिखना शुरू करें।

हरी के हाथ निमाह

लिप्यांतरः- हू ब हू देवनागरी मे ।

पृऐगन

हमारे बहुत से मीत्रों की बहुत दिनो से सम्मति थी की एक ऐसी पुस्तक लीखी जाए की बीचारी अबलाओं बालकों को बचपन ही से ईश्वर मे पृत हो पर मुझमे ऐसी सामर्थ नहीं की ऐसी गम्भीर समुन्द्र मे हाथ को डालूं-0।।-0।। आप बैठे-बैठाए- जीव मे- आआ (या) कि श्री गणेश जी और श्री गुरूदेव स्वामी की - इआद कर ऐसी गम्भीर समुन्द्र मै हाथ लगाउँ ईन देवताओं की आर्शीवाद से मेरा मनोर्थ अवश्य सीध्धी होगा जिससे अवलाओं और बालकों की सहायता होगी- क्या ईश्वर पार लगावेगा ।। अवश्य-।। आज तक बच्चेपन से जीस काम मै हाथ डाला ईश्वर सदा पुरा करता गआ(या) और भरोसा भी पूरा है कि अवश्य पूरा होगा 0।।-0।।

Vijoy Shankar Mallik

(मिथिला देशीय (शैली) कैथी का देवनागरी में लिप्यांतरण)

अभ्यास - 2

1. निम्नलिखित का कैथी लिप्यांतरण कर स्वयं लिखें-

कबीरा खड़ा बजार में लिए लुकाठी हाथ।
जो घर जारै आपुनो चलो हमारे साथ।।
परम प्रिय पावन तिरहुत देश।
भोजपुरी हमार आपन बोली अउर भाषा ह। राम बाबू हमरे गाँव के बारे। उनकर नाम विख्यात बा। सबकेहू उनकर नाम के माला जपता। रौआ जानत बानी से हमरा मालूम बा।

2. निम्नलिखित वाक्यांश को अपने क्षेत्रीय कैथी लिपि या सामान्य (General kaithi lipi) लिपि में लिखें।

Vijoy Shankar Mallik

एक गाँव में एक राजा रहता था। उसको चार लड़के और दो लड़कियाँ थी। लड़के सभी मूर्ख थे। लड़कियाँ वैसी ही तेज तर्रार थीं। उन लड़कियों से राजा ने एक दिन एक ही प्रश्न पूछा- प्रश्न था-

"तुम किसके रहमो करम पर जी रही हो और तुम युवा होने पर कहाँ रहना अच्छा पसंद करोगी? यह सुन बड़ी लड़की बोली- मैं आपके ही रहमोकरम पर जी रही हूँ और युवा होने के बाद भी आपके ही पास रहना पसन्द करूंगी किन्तु छोटी लड़की का जबाव था कि मैं ईश्वर के रहमो करम पर जी रही हूँ और युवा होने पर अपने शौहर के पास ही अपने ससुराल में रहना पसंद करूंगी। दोनो का उत्तर सुनकर राजा दुसरी (छोटी) लड़की पर बहुत ही क्रोधित हुआ और इसे कारागार में बन्द करबा दिया किन्तु बड़ी लड़की को प्यार से सहलाकर ढेर सारा उपहार दिया।

3. अखबार या किसी पुस्तक से एक पैराग्राफ (वाक्यांश) को कैथी लिपि में लिखें।